आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत बनेगा दुनिया में सर्वप्रथम और सर्वश्रेष्ठ-अमित शाह

शाह ने कहा कि एनडीए की सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया था और शरद पवार जी को उसका अध्यक्ष बनाकर एक बहुत अच्छी शुरुआत की थी।

नई-दिल्ली-गृह मंत्री अमित शाह ने एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होम गार्ड्स और फायर सर्विसेज की क्षमता निर्माण पर होने वाले वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि हर क्षेत्र की तरह आपदा प्रबंधन के क्षेत्र के अंदर भी भारत दुनिया में सर्वप्रथम हो, सर्वश्रेष्ठ हो इस लक्ष्य को लेकर इस सम्मेलन की समाप्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि हम सभी जरूरतों को पूरा किया जाएगा। संसाधन भी मिलेंगे साधन भी मिलेंगे, भवन भी मिलेंगे। लेकिन आपदा प्रबंधन का काम भवन से नहीं होता भावना से होता है। जब तक भावना नहीं होगी तब तक इसका सही परिणाम नहीं आएगा।

शाह ने कहा कि एनडीए की सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया था और शरद पवार जी को उसका अध्यक्ष बनाकर एक बहुत अच्छी शुरुआत की थी। साल 2000 के पहले हमारे देश में आपदा प्रबंधन क्षेत्र को पूरा नजअंदाज किया गया। जिला स्तर या सेना की टुकड़ियों का उपयोग करके इसकी चिंता की जाती थी, लेकिन समग्र दृष्टिकोण के साथ आपदा प्रबंधन को लेकर कदम नहीं उठाए जाते थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2001 में गुजरात में भूंकप आया, तब के वहां के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात आपदा प्रबंधन की नींव डाली। वहीं से देश में समग्रता से आपदा प्रबंधन पर काम होने की शुरुआत हुई थी।

अमित शाह ने काह कि एनडीआरएफ के गठन के बाद से लेकर आज तक कई आपदाओं में समय पर, न केवल भारत बल्कि कई अन्य देशों में भी एनडीआरएफ ने बहुत अच्छा काम किया है। मैं एक भारत के नागरिक के नाते भी एनडीआरएफ को बधाई देता हूं कि आपने बहुत अच्छा काम किया है।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन क्षेत्र की चुनौतियों को तभी हल कर सकते हैं जब सारे दल साधनसंपन्न हों। वहां पर काम करने के लिए सारी सुविधाएं अंतराष्ट्रीय मानकों से भी ऊपर हों। मेरा आग्रह है कि डीआरडीओ के साथ संकलन करके सारे इक्यूपमेंट स्वदेशी किए जाएं। वांचित प्रधानमंत्री ने आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके साथ कुछ अच्छे पल साझा किए। मॉरिसन ने मोदी के साथ के एक सेल्फी ली और ट्विटर पर एक कैप्शन के साथ पोस्ट किया, 'कितने अच्छे हैं मोदी।' पिछले महीने दोनों नेताओं ने अपने-अपने देश में मिली चुनावी जीत पर एक-दूसरे को बधाई दी और साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई थी। जी-20 अंतरराष्ट्रीय नेताओं का मंच है जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल है। जी-20 का 14वां संस्करण यहां 28 से 29 जून तक आयोजित हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री हुए मोदी के मुरीद, सेल्फी ट्वीट कर कहा- कितने अच्छे हैं मोदी

जी-20 अंतरराष्ट्रीय नेताओं का मंच है जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल है। जी-20 का 14वां संस्करण यहां 28 से 29 जून तक आयोजित हो रहा है।

ओसाका-ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सेल्फी ट्वीट की और उनकी सराहना करते हुए हिंदी में लिखा, 'कितने अच्छे हैं मोदी।' जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए दोनों नेता (मोदी और मॉरिसन) जापान के ओसाका में हैं। ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ने आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके साथ कुछ अच्छे पल साझा किए।

मॉरिसन ने मोदी के साथ के एक सेल्फी ली और ट्विटर पर एक कैप्शन के साथ पोस्ट किया, 'कितने अच्छे हैं मोदी।' पिछले महीने दोनों नेताओं ने अपने-अपने देश में मिली चुनावी जीत पर एक-दूसरे को बधाई दी और साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई थी। जी-20 अंतरराष्ट्रीय नेताओं का मंच है जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल है। जी-20 का 14वां संस्करण यहां 28 से 29 जून तक आयोजित हो रहा है।

सोशल मीडिया पर घृणास्पद सामग्री रोकने के लिए बहुपक्षीय प्रयासों की जरूरत -भारत

संयुक्त राष्ट्र(भाषा)-भारत ने आतंकवादियों द्वारा सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर युवाओं को बरगलाने पर चंता व्यक्त करते हुए इससे निपटने के लिये बहुपक्षीय प्रयास पर जोर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय उप स्थायी प्रतिनिधि के नागराज नायडू ने बुधवार को महासभा की औपचारिक बैठक के दौरान यहूदी-विरोध और नस्लवाद के अन्य रूपों पर बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत प्रौद्दोगिकी के माध्यम से परस्पर जुड़े विश्व में यहूदी विरोध, नस्लवाद, असहिष्णुता और विदेशियों के खिलाफ घृणा को लेकर चंतित है। नायडू ने कहा, सोशल मीडिया ने लोगों को एक ऐसा मंच दिया है जिससे वह अपने घृणास्पद भाषणों और कट्टरपंथी सोच को दूसरे लोगों तक पहुंचा सकते हैं। कुछ लोग घृणा को हिंसा में बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादी खुलेआम या छिपकर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर युवाओं को बरगला रहे हैं। उन्हें अपनी नापाक चालों में फंसा रहे हैं। उन्होंने कहा,इस प्रकार की हरकतें बेशर्मी के साथ जारी हैं। उन्होंने जातीय नफरत फैलाने वाले भाषणों की चुनौतियों को ऑनलाइन हल करने के लिए बहुपक्षीय और बहु-हितधारक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत प्रौद्दोगिकी के माध्यम से परस्पर जुड़े विश्व में यहूदी विरोध, नस्लवाद, असहिष्णुता और विदेशियों के खिलाफ घृणा को लेकर चिंतित है

दिल्ली में कांग्रेस की सभी 280 ब्लाक समितियां भंग

नई-दिल्ली-दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित ने दिल्ली में पाटा की सभी 280 ब्लाक समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती दीक्षित ने यह कदम हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में पाटा की हार के कारणों की जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के आधार पर उठाया है।लोकसभा चुनाव में दिल्ली में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी और सातों सीटों पर भारतीय जनता पाटा ने फिर से कब्जा कर लिया था।

दिल की धड़कन को रोककर दिमाग की सर्जरी कर बचाई मरीज की जान

लखनऊ-अपोलो मेडिक्स सुपर स्पेशलटी हॉस्पिटल के न्यूरो विभाग ने एक जटिल सर्जरी कर मरीज की जान बचाई।

अपोलो मेडिक्स के न्यूरो सर्जन डॉक्टर रविशंकर ने बताया कि ब्रेन एन्यूरिस्म पीड़ित मरीज की ब्रेन सर्जरी के लिये उसके दिल की धड़कन को कुछ समय के लिये रोक दिया गया, जिससे सर्जरी के खतरे को कम किया जा सका। रविशंकर ने बताया कि हमारे पास ब्रेन एन्यूरिस्म पीड़ित 35 वर्षीय बाराबंकी निवासी मनोज वर्मा बेहोशी की हालत में गंभीर स्थिति में आया था। ब्रेन एन्यूरिस्म में मरीज के खून की नली में ही खून का एक गुब्बारा बन जाता है। उन्होंने बताया कि इस का इलाज जीनियोटोमी व क्लिपिंग ऑफ एन्यूरिस्म द्वारा किया जाता है, जिसमें खून के गुब्बारे को एक क्लिप के माध्यम से बंद कर दिया जाता है। इस बीमारी में सर्जरी के बाद भी मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। रविशंकर ने बताया कि हमने जांच में पाया कि मरीज के डोमिनेंट ब्रेन के हिस्से की मुख्य खून की नली से आगे जाने वाली दो नलियों के पास गुब्बारा बना हुआ था जो नलियों से चिपका हुआ था।

इस अवस्था में इसे बंद करने पर वाहिनियों में अवरोध होने व नुकसान की संभावना थी जिससे मरीज़ के सोचने समझने की क्षमता और बोलने की क्षमता पर काफी नकारात्मक असर आ सकता था। साथ ही मरीज के दायें हाथ की गतिविधि भी प्रभावित हो सकती थी या जान का खतरा भी हो सकता था इसलिये हमने पहले गुब्बारे को सिकोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि सात घंटे चले इस आपरेशन में हमने मरीज की धड़कन को करीब 45 सेकंड के लिये चार बार बंद किया और फिर सर्जरी की। इस प्रीया में हमें उन 45 सेकंड में सामान्य सर्जिकल गति की 100 गुना गति से काम करना पड़ा जिसके लिए अत्यधिक कुशलता और विशेष प्रकार की ट्रेनिंग की आवश्यकता होती है।

आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा -मोदी

ओसाका-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिये सबसे बड़ा खतरा है जो न सिर्फ बेगुनाहों की हत्या करता है बल्कि आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता को भी बुरी तरह प्रभावित करता है।

जापान के ओसाका शहर में ब्रिक्स नेताओं की अनौपचारिक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद और जातिवाद का किसी भी जरिए से समर्थन बंद करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आतंकवाद मानवता के लिये सबसे बड़ा खतरा है।

यह सिर्फ निर्दोषों की ही हत्या नहीं करता बल्कि आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। प्रधानमंत्री जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिये ओसाका पहुंचे हैं। उन्होंने ब्राजील का राष्ट्रपति चुने जाने पर जेयर बोल्सोनारो को बधाई दी और ब्रिक्स परिवार में उनका स्वागत किया। ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) नेताओं की मुलाकात के दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपति चुने जाने पर सिरिल रामफोसा को भी बधाई दी।

अपनी टिप्पणी में मोदी ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को मजबूत बनाने, संरक्षणवाद से लड़ने, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ने की जरूरत पर बल दिया।

उन्होंने कहा, आज, मैं तीन प्रमुख चुनौतियों पर अपना ध्यान केंद्रित करूंगा। पहली है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और गिरावट। नियम आधारित बहुपक्षीय वैश्विक व्यापार प्रणाली पर एकपक्षवाद और प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रभाव है।

मोदी ने कहा, संसाधनों की कमी, आधारभूत ढांचे में निवेश में लगभग 1.3 खरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की कमी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दूसरी है, विकास को सतत् और समावेशी बनाना। डिजिटलाइजेशन जैसी तेजी से बदलती तकनीकें और जलवायु परिवर्तन मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिये चुनौती पेश करती हैं।

उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक है जब यह असमानता घटाए और सशक्तिकरण में योगदान दे। ओसाका में ब्रिक्स नेताओं की बैठक से पूर्व फोटो सेशन में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। साथ में हैं चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका व ब्राजील के राष्ट्रपति।

मुस्कुराते हुए ट्रंप ने पुतिन से कहा, इस बार चुनाव में हस्तक्षेप मत करना

ओसाका-डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल के ज्यादातर समय यह आरोप लगता रहा कि मॉस्को ने उनके निर्वाचन में मदद की लेकिन जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मौजूदगी में यह मुद्दा उठा तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस पर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की।

दोनों नेताओं के बीच विशेष अभियोजक रोबर्ट मुलर की वह रिपोर्ट आने के बाद यह पहली मुलाकात थी जिसमें कहा गया था कि मॉस्को ने 2016 चुनाव अभियान में बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप किया। हालांकि विशेष अभियोजक मुलर का कहना था कि वह ट्रंप के प्रचार अभियान और रूस के बीच आपराधिक साजिश स्थापित नहीं कर पाए। जब एक संवाददाता ने ट्रंप से सवाल किया कि क्या वह पुतिन को 2020 चुनावों में हस्तक्षेप नहीं करने के लिए चेताएंगे, तो राष्ट्रपति ने जवाब दिया, ''हां बिल्कुल''। इसके बाद उन्होंने पुतिन की तरफ देखा और मजाकिया अंदाज में कहा, ''चुनावों में हस्तक्षेप नही करियेगा।'' इस पर पुतिन भी मुस्कुरा दिये। ट्रंप ने कहा कि उनका पुतिन के साथ ''बहुत, बहुत अच्छा संबंध'' है। उन्होंने कहा, ''संबंधों की वजह से कई सकारात्मक चीजें सामने आ रही हैं।'

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक-रवि कुमार पोत्दार, 72/74, सुयश विहार, भमोरी दुबे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिस, 864/9, नेहरु नगर, इन्दौर म०प्र० से मुद्रीत
प्रधान संपादक-रवि कुमार पोत्दार आर.एन.आई. नम्बर-12782/2003 e-mail- censortimes@ hotmail.com Mobile No.9926631707